NT>

Title: Regarding closure of Gandhi Study Centres in various universities of the country.

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, नौवीं पंचर्वीय योजना में सुनिश्चित किया गया था कि जो विश्वविद्यालय गांधी, बौद्ध, नेहरु और डा. अम्बेडकर या अन्य महापुरुषों के बारे में पढ़ाना चाहें या अध्ययन केन्द्र बनाना चाहें, तो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग उनको मदद करेगा। 9 वीं पंचर्वीय योजना में आगरा सहित डा. अम्बेडकर विश्वविद्यालय सहित, 14 विश्वविद्यालयों में गांधी अध्ययन केन्द्र स्थापित किए गए थे, वे केन्द्र इस सरकार ने बन्द कर दिए हैं। आप जानते हैं कि महात्मा गांधी का व्यक्तित्व विशाल था और दुनिया में महात्मा गांधी से कोई बड़ा आदमी नहीं हुआ। 122 देशों में महात्मा गांधी की प्रतिमायें लगी हुई हैं। जब उनका निधन हुआ था, तो सोवियत रुस को छोड़कर ऐसा कोई देश नहीं था, जिसके झण्डे महात्मा गांधी के सम्मान में न झुक गए हों। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वार्षिक रिपोर्ट में लिखा है - विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उन सभी केन्द्रों को बन्द कर दिया है, जिनकी स्थापना को पांच वर्ा पूरे हो गए हैं। बहुत गम्भीर मामला है। दुनिया के तमाम देश महात्मा गांधी की तरफ आकर्ति हो रहे हैं, गांधी के बारे में पढ़ा रहे हैं। गांधी के विचारों की सदैव सार्थकता है और इस परिस्थिति में यह सरकार महात्मा गांधी के विचारों को न पढ़ाने का निर्णय ले रही है। यह अत्यधिक गम्भीर मामला है। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी सदन में उपस्थित है और मैं आपके द्वारा निवेदन करना चाहूंगा कि कम से कम जो गांधी अध्ययन केन्द्र बने हुए हैं, उनको सरकार बन्द न करें। गांधी महान थे और उनके विचारों की सदैव सार्थकता है। मैं समझता हूं कि आज की परिस्थिति में गांधी के विचारों को पढ़ाए जाने की आवश्यकता है और सरकार उन अध्ययन केन्द्रों को बन्द न करे।